अगस्त, 1978 में मास्को में लगायी जाने वाली औद्योगिक प्रदर्शनी

***287. श्री सुभाष आहूजा :** क्या वाणिज्य, नागरिक पूर्ति और सहकारिता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या 1 अगस्त, 1978 से मास्को में एक औद्योगिक प्रदर्शनी लगाई जा रही है ; और

(ख) यदि हां, तो उन संगठनों के नाम क्या हैं जिनको उसमें भाग लेने के लिये भारत से आमंत्रित किया गया है?

वाणिज्य तथा नागरिक पूर्ति और सहकारिता मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री आरिफ बेग) : (क) जी हां।

(ख) अन्य बातों के साथ साथ निर्यातों में रुचि रखने वाले सभी प्रमुख उपक्रमों का, जिनमें देश के कृषि आधारित उद्योग, लघु उद्योग, हस्तशिल्प, चमड़ा तथा चमड़े के उत्पाद, वस्त्र, खनिज पदार्थ तथा धातु रासायनिक पदार्थ तथा सम्बद्ध उत्पाद, खेल-कूद का सामान तथा अणु-ऊर्जा विभाग, औद्योगिकीय संगठन बैंक संस्थान आदि शामिल हैं, इस प्रदर्शनी में भाग लेने के लिये आमन्त्रित किया गया था। एक छपी हुई पुस्तिका संसद् पुस्तकालय में रख दी गई है जिस में भाग लेने वालों के नाम दिये गये हैं।

श्री सुभाष आहूजा : जैसा मंत्री जी ने बताया कि एक छपी हुई पुस्तिका संसद् पुस्तकालय में रख दी गई है, उस पुस्तिका में 368 व्यापारिक संस्थानों के नाम दिये गये हैं। क्योंकि यह मेला प्रारम्भ हो चुका है, इसलिए मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि इन 368 व्यापारिक संस्थानों में से सभी ने मेले में भाग लिया है या कुछ कम संस्थान ने उस में भाग लिया है ?

THE MINISTER OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES AND CO-OPERATION (SHRI MOHAN DHARIA): By and large, more than 250 organizations of exporters have associated in this exhibition and the number of articles exhibited is of the order of 20,000.

श्री सुभाष आहूजा : जैसा मंत्री जी ने बताया कि 250 संस्थानों ने भाग लिया है, इसमे 368 संस्थानों के नाम दिये गये थे। बाकी संस्थाओं ने किस कारण से भाग नही लिया ?

जिन व्यापारिक संस्थानों ने भाग लिया है, उन्होंने कितने रुपये का माल वहां भेजा है और उन्हें सरकार की तरफ से कितनी आर्थिक सहायता दी गई है ?

SHRI MOHAN DHARIA: So far as participants are concerned, they do enroll their names, but then there are certain difficulties in their way, but, by and large, it has proved to be a successful....

श्री राम अवधेश सिंह : हिन्दी प्रश्न का जवाब हिन्दी में दीजिये।

श्री मोहन धारिया: आप ऐसा आग्रह करेंगे, तो मैं नही दूंगा। मेरे ऊपर छोड़ेंगे तो देने के लिये तैयार हूं, मगर आग्रह करेंगे तो नही दूंगा।

श्री राम अवधेश सिंह : आग्रह कोई खराब होता है क्या ? अंग्रेजी वालों का जवाब अंग्रेजी में दीजिये।

श्री मोहन धारिया : देखिये, मैं हिन्दी में भी जवाब देने के लिये तैयार हूं, मगर

मैं यह बिल्कुल साफ करना चाहता हूं कि हिन्दी का एसा आग्रह करने वाले लोग हिन्दी का कहा नुकसान कर रहे हैं (व्यवधान)

श्री राम अवधेश सिंह : यह नुकसान नही है। (व्यवधान)

श्री अर्जुन सिंह भदोरिया : आप अंग्रेजी बात कर हिन्दी का क्या ज्यादा फायदा पहुंचा रहे हैं ?

MR SPEAKER We had enough discussion

SHRI RAGAVALU MOHANARANGAM Sir on a previous day when I raised a question in English and the answer given was in Hindi, I asked you Was it not a convention in this House that when a Member raises a question in English the answer should be in English if the language is known to the Minister concerned, you said on that day out of the two languages namely, Hindi and English the Minister may give answer in any language Why this discrimination today? (Interruptions)

श्री मोहन धारिया सभापति जी

MR SPEAKER Question hour is very important, should it be wasted like this? I would request the Members that Question Hour is extremely important

श्री उग्र सेन : मगर सवाल हमारा हिन्दी में है, मंत्री महोदय को हिन्दी में जवाब देना पड़ेगा।

MR SPEAKER Have you not got the courtesy that when I am standing you have not to stand? What is this? You are a senior member

श्री राम अवधेश सिंह : अगर मंत्री महोदय हिन्दी मे जवाब देते हैं तो अंग्रेजी में ट्रान्सलेशन मिलता है इनको। मगर जिन्होंने हिन्दी मे सवाल किया है, उनको जवाब हिन्दी में ही मिलना चाहिये। जो अंग्रेजी में सवाल करे, उसका जवाब अंग्रेजी मे मिलना चाहिये, अगर हिन्दी मे सवाल है तो जवाब हिन्दी मे मिलना चाहिये।

MR SPEAKER All this has been decided I am not going to say anything ..

श्री राम अवधेश सिंह : ट्रान्सलेशन की व्यवस्था नही रहती तब तो कुछ बात कर सकते थे। (व्यवधान)

श्री चन्द्रशेखर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मेरा व्यवस्था का प्रश्न है। मंत्री महोदय ने बहुत ही गंभीर बात कही है और इसे आप मद्देनजर रखिये कि हिन्दी का आग्रह करने वाले हिन्दी का नाश कर रहे हैं। यह सवाल जो मंत्री जी ने किया तो क्या अपनी मातृभाषा मे बात करना उसका नुकसान करना होता है ? (व्यवधान)**

MR. SPEAKER Do not record

Mr Minister

श्री मोहन धारिया : अध्यक्ष महोदय, जिस वक्त हिन्दी मे प्रश्न आता है, तो मेरी कोशिश रहती है हिन्दी में जवाब देने की। लेकिन मैं बिल्कुल साफ करना चाहता हूं कि मैं किसी के दबाव के नीचे यह काम नही करना चाहता हूं। (व्यवधान)

MR SPEAKER We have discussed the matter now, please answer the question (Interruptions)

During Question Hour there is no point of order (Interruptions) Now, we have discussed enough. I have already given a ruling Mr Minister will go on (Interruptions)

The House stands adjourned till 12 o'clock

11 40 hrs.

The Lok Sabha then adjourned till Twelve of the Clock

**Not recorded